Dabang Dunia (Indore), 10th September 2021, Page-3

आईआईएम-एसजीएसआईटीएस की रैंकिंग बढ़ी, आईआईएम की कम हुई

नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क ने घोषित की 2021 की रैंकिंग

इंदौर » सिटी रिपोर्टर

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को देशभर के शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग जारी कर दी है। हर साल जारी होने वाली नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की 2021 की रैंकिंग में शहर के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर से लेकर एसजीएसआईटीएस और देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आईईटी की रैंकिंग में इस साल बढ़ोतरी हुई है, जबकि आईआईटी की रैंकिंग कम हो गई है।

आईआईएम की रैंकिंग इस साल देश के प्रबंध संस्थानों में छठी रही है, जबकि पिछले साल संस्थान की रैंकिंग सातवें नंबर पर थी। इस साल इसकी रैंकिंग एक पायदान ऊपर हो गई है। वहीं इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (आईआईटी) इंदौर की रैंकिंग नीचे खिसक गई है। देश के प्रौद्योगिकी संस्थानों की रैंकिंग में आईआईटी इंदौर का स्थान इस वर्ष 13वां रहा है जबकि पिछले साल आईआईटी की रैंकिंग 10वीं थी। इस प्रकार आईआईटी तीन रैंक नीचे चला गया है।

यूनिवर्सिटी की रैंकिंग 100 से 150 के बीच

शहर के प्रदेश के सबसे बड़े ऑटोनॉमस संस्थान श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी एंड साइंस (एसजीएसआईटीएस) की रैंकिंग भी इस बार बढ़ गई है। संस्थान टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट की लिस्ट में टॉप 200 में शामिल होकर 181वीं रैंकिंग पर आया है। उधर देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी की रैंकिंग इस बार 101 से 150 के बीच रही है। इंजीनियरिंग कैटेगरी में यूनिवर्सिटी के 8 डिपार्टमेंट की संयुक्त रैंकिंग 251 से 300 के बीच रही है। एनआईआरएफ रैंकिंग टीचिंग एंड लर्निंग, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, आउटरीच एंड इंक्लुसिवीटी, परसेप्शन और ग्रेजुएशन आउटकम के आधार पर तैयार की जाती है। इसके लिए हर वर्ष संस्थानों को आवेदन करना होता है। इसमें कई तरह के एकेडमिक और प्रशासनिक दस्तावेज भेजने होते हैं जिसके आधार पर शिक्षा मंत्रालय रैंकिंग तय करता है।